UPPSC

CSAT
HINDI

BY – JITENDRA SONI SIR

श्री राधा

दारू

दारु

जल - थली
थल - थली

सवाल

तक्र
तर्क

बन्दर
शाखामृग
मर्कट
कपि
वानर

RO ARO

विशेषण - विशेष्य = 10

विशेषण

a - आशुग
b → राहु
c - अच्छा
d - रूपा

आशुग
- घोड़ा
- बाण
- आशु → शीघ्र
- ग → चलना / गमन

सुरभि → इच्छा → सुगंध
सुरभि → उत्पत्ति → हिरण
सुरभि → गाय, स्त्री

सर्वनाम (Pronoun)

Que : -1

कौनसा सर्वनाम प्रश्नवाचक है-

(1) यह

(2) वह

(3) किसने

(4) इसने

Que : -2

शायद कमरे में कोई छिपा हुआ है।" इस वाक्य में रेखांकित शब्द है -

(1) प्रश्नवाचक सर्वनाम

(2) संबंधवाचक सर्वनाम

(3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम

(4) निजवाचक सर्वनाम

Que : -3

निम्नलिखित में से किस विकल्प में सभी सर्वनाम पुरुषवाची हैं-

(1) हम, तुम, ये, वे

(2) आप, कुछ जो, यह

(3) जो, कोई, वह स्वयं

(4) मैं, तुम, आप किसी

Que : -4

'वह स्वतः ही जान जाएगा' में 'वह' सर्वनाम है-

(1) पुरुषवाचक सर्वनाम

(2) निजवाचक सर्वनाम

(3) संबंध वाचक सर्वनाम

(4) अनिश्चयवाचक सर्वनाम

Que : -5

सामने जो बड़ा महल दिखाई दे रहा है, वह मेरा है।" इसमें कौनसा सर्वनाम है-

(1) पुरुषवाचक

(2) निश्चयवाचक

(3) अनिश्चयवाचक

(4) निजवाचक

Que : -6

किस वाक्य में अनिश्चयवाचक सर्वनाम है-

(1) हम किसी से कुछ नहीं कह सकते।

(2) हम खुद ही इधर आ गए।

(3) मेरा भाई जो तुम्हें मिला था, वह आगे जा रहा है।

(4) तुम कॉलेज कब जाओगे।

Que : -7

संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द क्या कहलाते हैं-

(1) कारक

(2) सर्वनाम

(3) विशेषण

(4) क्रिया

Que : -8

'यह पुस्तक वही है जो मेरे पाठ्यक्रम में है', वाक्य में 'निश्चयवाचक सर्वनाम शब्द है-

(1) वही

(2) पुस्तक

(3) मेरे

(4) यह

Que : -9

किस वाक्य में संबंधवाचक सर्वनाम है-

(1) जिसे भी देखता हूँ, वही व्यस्त है।

(2) रास्ते में कुछ खा लेना ।

(3) रामेश्वर का घर यह नहीं, वह है ।

(4) मैं अपना काम स्वयं करता हूँ ।

Que : -10

अनिश्चयवाचक सर्वनाम किस वाक्य में हैं-

(1) यह पुस्तक मेरी है।

(2) बाहर कोई खड़ा है।

(3) आप क्या लाए हैं।

(4) मुझे कुछ रुपए चाहिए

सर्वनाम से क्या तात्पर्य है

सर्वनाम शब्द शब्द सर्व + नाम के योग से बना है यहां सर्व का अर्थ होता है 'सभी' तथा नाम का अर्थ होता है 'संज्ञा' अर्थात एसे शब्द जो सभी प्रकार की संज्ञाओं के लिए प्रयुक्त हो सकते हैं वे सर्वनाम शब्द कहलते हैं।

- सामान्यत: किसी भी संज्ञा शब्द के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम शब्द कहलते हैं

जैसे – मनोज अच्छा लड़का है वह जयपुर मे रहता है।

प्रिया एक अच्छी लड़की है वह एक SI है।

सर्वनाम में सर्व का क्या अर्थ है?

(a) सभी

(b)सबका

(c)भगवान

(d)सभी जगह

सर्वनाम के भेद :-

सर्वनाम के प्रमुखतः छह भेद माने जाते हैं

जैसे -‘

1. पुरूषवाचक सर्वनाम- उसने, वह, मैं, तुम, उस
2. निश्चयवाचक सर्वनाम – यह, वह, ये, वे
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम – कोई, कुछ, किसी
4. प्रश्नवाचक सर्वनाम- कौन, किसने, किसे, किससे, किसके
5. संबधवाचक सर्वनाम – जो, जिसने, जिसे, जिससे
6. निजवाचक सर्वनाम - आप, स्वयं, खुद, स्वतः, निज, अपना

हिन्दी में कुल कितने सर्वनाम हैं?

मूलरूप से हिंदी भाषा में सर्वनामों की संख्या 11 है

जैसे -'मैं, तू, आप, यह, वह, जो, सो, कोई, कुछ, कौन, क्या।

सर्वनाम के कुल कितने भेद होते हैं?

(a) 5

(b) 6

(c) 7

(d) 8

हिंदी में सर्वनाम के कुल कितने शब्द हैं

(a) 5

(b) 6

(c) 11

(d) 8

हिंदी में सर्वनाम के कितने भेद हैं

(a) 5

(b) 11

(c) 7

(d) 8

UPSI-2021/MPSI/MPPSC

संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।

- पुरूषवाचक सर्वनाम
- निश्चयवाचक सर्वनाम
- अनिश्चयवाचक सर्वनाम
- प्रश्नवाचक सर्वनाम
- सम्बन्धवाचक सर्वनाम
- निजवाचक सर्वनाम

जैसे:- मैं, तु, आप, यह, वह, सो, जो, कोई, कुछ, कौन, क्या

1. पुरूषवाचक सर्वनाम-

1. पुरूषवाचक सर्वनाम-

वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग बोलने वाले वक्ता, सुनने वाले श्रोता या किसी अन्य के लिए प्रयोग किया जाता है पुरूषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे:- मैं आगरा रहता हूँ।
वह विदेश रहता है

Note :- इसके भी पुन: तीन उपभेद कर दिये जाते हैं।

1. उत्तम पुरुष 2. मध्यमपुरुष 3. अन्य पुरुष

1. उत्तम पुरुष सर्वनाम:-

1. उत्तम पुरुष सर्वनाम:-

वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग बोलने वाला वक्ता अपने लिए करता है उत्तम पुरुष वाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे: -

मैं आज बरसात में भीग गया ।

मुझे अपना कार्य करना है।

मेरा इन्तजार भत करना ।

प्रभुखत:- मैं, मुझे, मेरे, मुझको (एकवचन)

हम, हमें, हमारा, हमको (बहुवचन)

1. उत्तम पुरुष

उत्तम पुरुष		
कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	मैं	हम
कर्म	मुझे/ मुझको	हमें /हमको
संबंध	मेरा /मेरे	हमारा/ हमारे
मेरी	हमारी	

(2)मध्यम पुरूष वाचक सर्वनाम :-

1. मध्यम पुरूष वाचक सर्वनाम :-

वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग बोलने वाला वक्ता श्रोता के लिए प्रयोग करता है मध्यम पुरुष वाचक सर्वनाम कहलाता है।

जैसे-

- मनीष **तू** कहाँ रहता है।
- रमेश **आप** कहाँ रहते हो ।
- **तुझे** कल ऑफिस जाना है।
- **तेरा** पुराना मित्र आया है

प्रभुखत:- तुम, तेरा, तुझको, तुम्हें, तुम्हारा, तुमको, आप

मध्यम पुरुष		
कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	तू	तुम
कर्म	तुझे /तुझको	तुम्हें/ तुमको
संबंध	तेरा/ तेरे	तुम्हारा
तेरी	तुम्हारे/ तुम्हारी	

(3) अन्य पुरुष वाचक सर्वनाम :-

(3) अन्य पुरुष वाचक सर्वनाम :- वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग बोलने वाले वक्ताऔर सुनने वाले श्रोता किसी अन्य व्यक्ति के लिए प्रयोग करता है। अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

प्रमुखत:- यह, वह, ये, वे, आप

- यह मेरा भाई है।
- वह तुम्हारी गाय है।
- ये हमारी घोड़िया हैं।
- वे तुम्हारी बकरियां हैं।

अन्य पुरुष

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	यह /वह	ये / वे
कर्म	इसे / इसको/उसे/उसको	इन्हें /इनको/ उन्हें /उनको
संबंध	इसका/ उसका /इसके /उसके	इनका/ उनका /इनके/उनके
इसकी / उसकी	इनकी/ उनकी	

मैंने आज नाश्ता नहीं किया है।

रेखांकित शब्द में सर्वनाम बताइए

(a) उत्तम पुरुष

(b) मध्यमपुरुष

(c) अन्य पुरुष

(d) इनमें से कोई नहीं

मैंने आज नाश्ता नहीं किया है।

रेखांकित शब्द में सर्वनाम बताइए

(a) 5

(b) 6

(d) 8

(c) 7

2. निश्चयवाचक सर्वनाम

2. निश्चयवाचक सर्वनाम

वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग किसी वस्तु के स्थान पर किया जाता है निश्चय वाचक सर्वनाम कहलाते हैं

प्रमुखत:- यह, वह, ये, वे

यह मेरी पुस्तक है।

वह तुम्हारा पेन है।

ये हमारी कुर्सियां है' ।

अनिश्यवाचक सर्वनाम :-

अनिश्यवाचक सर्वनाम :-

वे सर्वनाम शब्द जो किसी व्यक्ति या वस्तु का बोध नहीं करा पाते हैं। अथात् जिन सर्वनाम शब्दों से किसी व्यक्ति या वस्तु की अनिश्चयता का बोध होता है अनिश्चय वाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

प्रभुखत :- कोई, कुछ, किसी

जैसे:-

बाहर कोई खड़ा है।

भीतर कुछ पड़ा है।

यह किसी का पेन है।

सम्बंधवाचक सर्वनाम :-

सम्बंधवाचक सर्वनाम :-

वे सर्वनाम शब्द जो दो अलग-अलग बातों के स्पष्ट संबंध का बोध कराते हैं अर्थात, जिन सर्वनाम शब्दों से दो उपवाक्यों में प्रयुक्त संज्ञाओं के बीच संबंध का बोध कराने के लिए किया जाता है संबंधवाचक सर्वनाम कहलाता है।

- जो विद्वान होता है वह सदा सुखी रहता है।
- जिसकी लाठी उसकी भैंस |
- जैसी करनी वैसी भरनी ।
- जितना गुड़ डालोगे उतना मिठा होगा।
- जो बोओगे सो काटोगे।

प्रश्नवाचक सर्वनाम :

जिन सर्वनाम शब्दों के द्वारा किसी प्रश्न के करने या होने का बोध कराया जाता है प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

प्रमुखत:- क्या, क्यों, कैसे, कहाँ,

निजवाचक सर्वनाम:.

वे सर्वनाम जो किसी व्यक्ति के द्वारा स्वयं का बोध कराने हेतू प्रयोग किया जाता है। अथार्त जिन सर्वनाम शब्दों के द्वारा स्वयं किसी कार्य के करने का बोध कराया जाता है। निजवाचक सर्वनाम कहलाता है।

विशेष नियम :-

विशेष नियम :-

1. 'आप' शब्द में सही सर्वनाम भेद की पहचान करना – आप शब्द का प्रयोग तीन प्रकार के सर्वनामों में किया जाता है अतः सही भेद की पहचान करने के लिए निम्न तरीके काय में लेने चाहिए

(i) आप शब्द का प्रयोग 'तुम/तुम' शब्द का प्रयोग आदर के रूप में होने पर – मध्यम पुरूषवाचक सर्वनाम

(ii) 'आप' शब्द का प्रयोग 'स्वयं/खुद के अर्थ में होने पर – निजवाचक सर्वनाम

(iii) 'आप' शब्द का प्रयोग किसी अन्य व्यक्ति का परिचय करवाने के लिए होने पर – अन्य पुरूषवाचक सर्वनाम

1. आप शब्द के सर्वनाम का चयन कीजिए

प्रश्न :- निम्न मे से किस विकल्प में आप शब्द का प्रयोग मध्यम पुरूषवाचक सर्वनाम के रूप को हुआ है ?

- आप भला तो जग भल ।
- वह आप चला जाएगा।
- आप यहाँ विश्राम करें।
- तुलसीदास हिंदी के श्रेष्ठ कवि है आप अवधी भाषा पर पूर्णधिकार रखते हैं

यह/वह/ये/वे ‘ शब्दो की सही व्याकरणिक श्रेणी का पता लगाना –

इन शब्दों का प्रयोग चार प्रकार के व्याकरणिक श्रेणियों में किया जाता है

यह/वह/ये/वे ‘ शब्दो की सही व्याकरणिक श्रेणी का पता लगाना –

इन शब्दों का प्रयोग चार प्रकार के व्याकरणिक श्रेणियों में किया जाता है

(i) इन शब्दो का प्रयोग किसी व्यक्ति के स्थान पर होने पर – अन्य पुरूषवाचक सर्वनाम

- मेरा और उसका कोई संबंध नहीं है।
- वह एक ईमानदार नेता है।
- मैंने उन्हें बाज़ार में देखा था।
- वह आदमी मुझे जानता है।
- मैंने इसे दो हज़ार रूपए दिय थे।

यह/वह/ये/वे ' शब्दो की सही व्याकरणिक श्रेणी का पता लगाना –

(ii) इन शब्दो का प्रयोग संबधवाचक सर्वनाम के साथ योजक शब्द के रूप में होने पर – सह सबंध वाचक सर्वनाम

- वह कौन है, जो दरवाजे पर खड़ा है?
- जो मेहनत करता है वह जीत जाता है।
- यह वही गुड़िया है जैसी तुम ने मांगी थी।

यह/वह/ये/वे ‘ शब्दो की सही व्याकरणिक श्रेणी का पता लगाना –

(iii) इन शब्दो का प्रयोग किसी अन्य वस्तु / व्यक्ति की ओर संकेत के लिए होने पर परन्तु यह संकेतित पदार्थ इनके तुरंत बाद नहीं लिखा होने पर –

निश्चय वाचक सर्वनाम

- अरविंद अब यह चाहता है कि मैं उससे माफी मांगू।
- भीड़ ने एक बस में आग लगा दी; यह सब मैंने अपनी आंखों से देखा है।
- यह स्वेटर मेरा नहीं है।
- ये बकरियाँ रामू की है।
- यह खाना मैंने बनाया है।

यह/वह/ये/वे ' शब्दो की सही व्याकरणिक श्रेणी का पता लगाना –

(iv) इन शब्दो का प्रयोग 'यहीं/वही/इन्ही/उन्ही' के रूप में होने पर –

निश्चयवाचक सर्वनाम

यह/वह/ये/वे ‘ शब्दो की सही व्याकरणिक श्रेणी का पता लगाना –

(v) इन शब्दो का प्रयोग किसी अन्य वस्तु/व्यक्ति की ओर संकेत के लिए होने पर वह संकेतित पदार्थ इन शब्दों के तुरन्त बाद लिखा होने पर – सार्वनामिक विशेषण

- ✓ वह लड़का नहीं आया।
- ✓ इस पानी को गन्दा मत करो।
- ✓ वह पेड़ मेरे दादाजी ने लगाया था।
- ✓ इस पुस्तक को वहां रख दो।
- ✓ वह गाय दूधारू है।
- ✓ कुछ काम हो तो बताना।

प्रश्न – निम्न मेंसे किस विकल्प में वह शब्द का प्रयोग अन्य पुरूषवाचक सर्वनाम के रूप में हुआ हैं ?

- वह लड़का बहुत शैतान था। (सार्वजनिक विशेषण)
- वह आजकल दिल्ली में रहता है। (अन्य पुरूषवाचक)
- शिक्षक पुस्तकों की ओर देखकर कहा "यह लाना वह नहीं।" (निश्चयवाचक)
- जो मेहनत करता है, वह निश्चित सफल होता है (सहसंबंधवाचक)

प्रश्न – 'यह पुस्तक वही है जो हमारे पाठ्यक्रम में है' इस वाक्य में निश्चयवाचक सर्वनाम शब्द है?

विशेषण

विशेषण

① बड़ा हाथी

② नील गाय

③ शीतकाल

विशेष्य

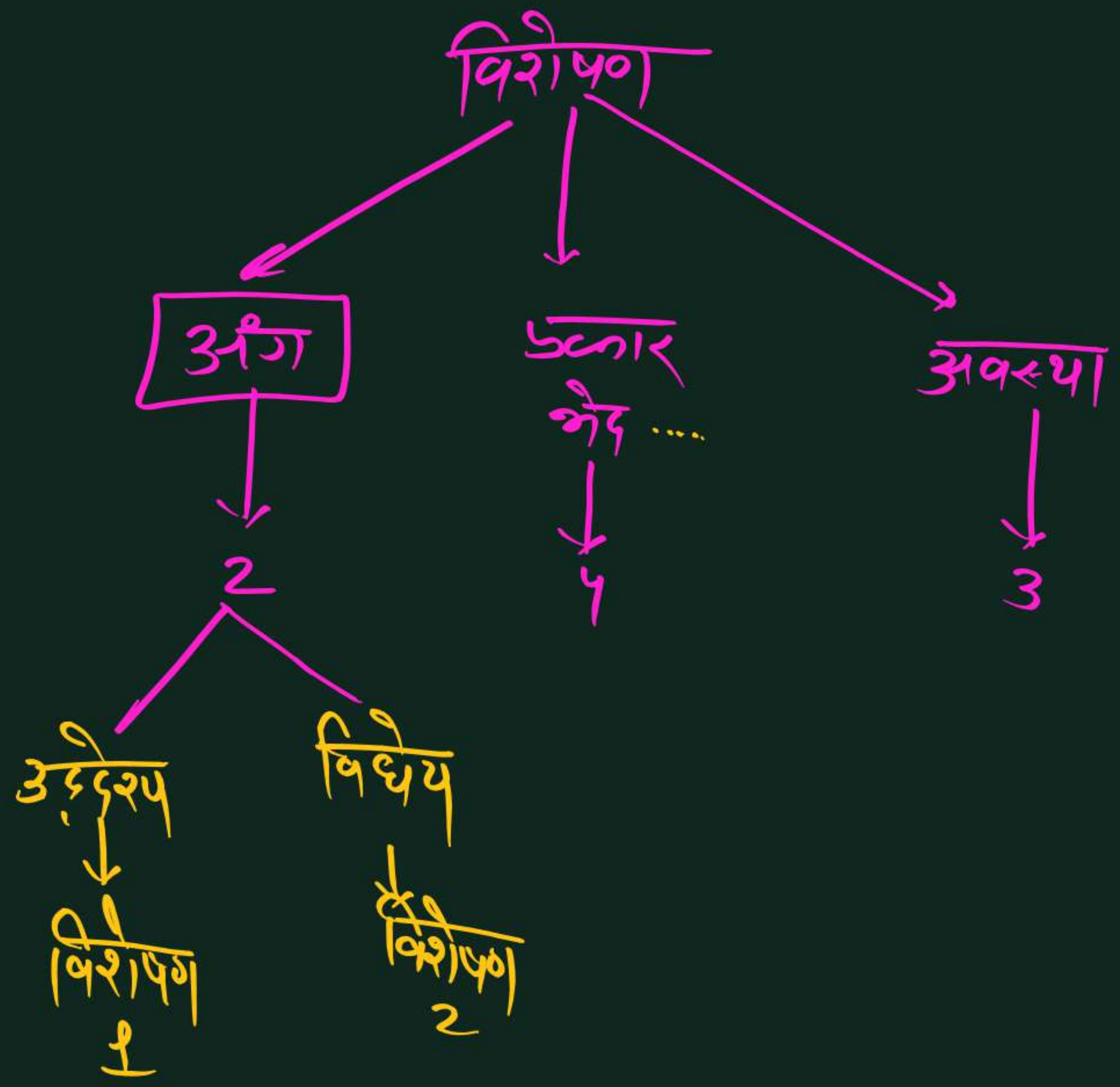
विशेषण
अंग
2
उद्देश्य
विशेषण 1
विधेय
विशेषण 2
प्रकार
भेद ....
4
अवस्था
3

विशेषण के भेद / प्रकार = 4

10 → विशेष्य
10 → विशेषण
3-4

① गुणवाचक वि० → लाल गुलाब, समझदार लड़की

90% ② संख्यावाचक → चार लड़के → निश्चित संख्यावाचक
कुछ लड़के → अनिश्चित संख्यावाचक

③ परिमाणवाचक → (मात्रा) २ L. दूध – परिमाण → निश्चित परिमाण
थोड़ा दूध – अनिश्चित परिमाण

④ सार्वनामिक विशेषण / संकेतवाचक

⇒ यह मेरा मकान है। - निश्चयवाचक सर्वनाम

⇒ यह मकान मेरा है → संकेतवाचक वि०

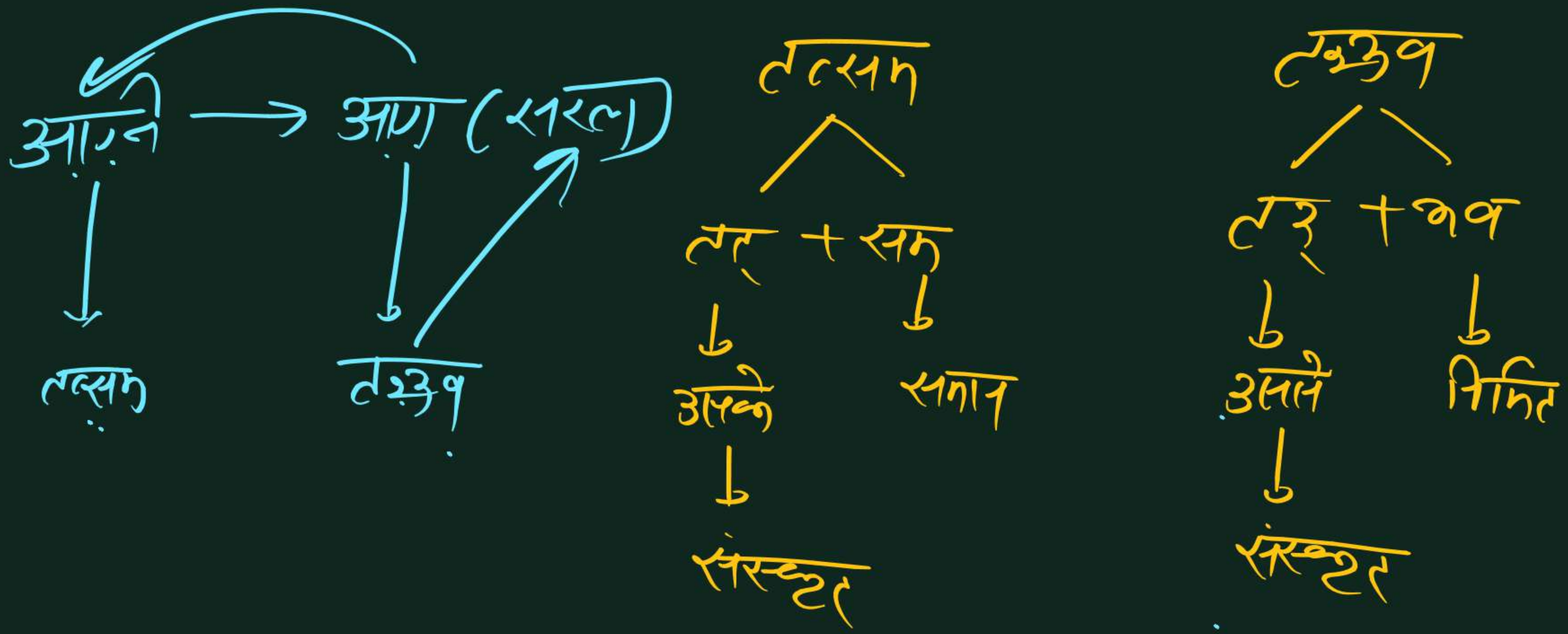

अग्नि
आग (सरल)
तत्सम
तद्भव
तत्सम
तत् + सम
उसके
समान
संस्कृत
तद्भव
तद् + भव
उससे
निर्मित
संस्कृत

अद्धरे वर्ण → तत्सम

यमुना → जमुना
(यमुना — तत्सम)

श, ष, क्ष, ज्ञ → तत्सम

योगी → जोगी

ण, य → तत्सम

य → ज → तद्भव

ऋ → तत्सम

ं, ः → तत्सम

ँ ——→ हिंदी → तद्भव

आँख गाँव

ड़ ढ़ → पेड़, लड़का → संस्कृत ×

ज़ फ़ क़ ख़ ग़ → आगत शब्द

गणनावाचक

संख्यावाचक

विशेषण

दो लड़के जा रहे हैं

- संख्यावाचक

गणना — — —

(ग) संख्यावाचक

चार लड़के → निश्चित संख्यावाचक

कुछ लड़के → अनिश्चित संख्यावाचक

निश्चित —— 5

हर-एक → प्रत्येकवाचक

दो, तीन → गणनावाचक

दुगुना, तिगुना → आवृत्तिवाचक

दोनों, तीनों → समुदायवाचक

दूसरा तीसरा → क्रमवाचक

अनिश्चित संख्यावाचक

↓

कुछ लड़के

कुछ रुपये

(ख) मुझे कुछ रुपये दो। → अनि० संख्या

(ग) मुझे कुछ धन दो। → परिमाण अनि०

(घ) यहाँ पचासों विद्यार्थी उपस्थित थे। → अनि० संख्यावाचक

50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59

सोना, रुपया, चाँदी, गेहूं, चावल

विशेषण के अंग = 2

2 –
2 –
1
1 –
6

① उद्देश्य विशेषण

=> नील कमल, लाल गुलाब

नील → विशेषण
कमल → विशेष्य

② विधेय विशेषण

कमल का फूल लाल

फूल → विशेष्य
लाल => विशेषण

विशेषण

विशेषण

किसी संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले श

विशेषण कहलाते हैं।

- जैसे :-
- लाल मिर्च
- हरा धनिया
- नीला गगन
- ईमानदार आदमी

प्रविशेषण -

- विशेषण की भी विशेषता बताने वाले शब्द प्रविशेषण कहलाते हैं।

विशेषण के अंग

1. उद्देश्य विशेषण/ विशेष्य विशेषण
2. विधेय विशेषण

1. उद्देश्य विशेषण -

वे विशेषण शब्द जो किसी संज्ञा या सर्वनाम के पूर्व प्रयुक्त होकर विशेषता का बोध कराते हैं उदेश्य विशेषण । विशेष्य विशेषण कहलाते हैं।

जैसे:-

- काली कमीज
- लाल टोपी

विधेय विशेषण:-

विशेष्य शब्दों के बाद प्रयुक्त होने वाला विशेषण विषय विशेषण कहलाता है

जैसे:-

- फल मीठा है।
- लड़की चतुर है

विशेषण के भेद - विशेषण के प्रमुखत: चार भेद माने जाते हैं

1. गुणवाचक विशेषण
2. संख्यावचाक विशेषण
3. परिमाण वाचक विशेषण
4. सार्वनामिक या संकेतावाचवक विशेषण